

महत्वपूर्ण एवं खास

स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूलों में रिक्त सीटों के लिये 29 जून तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़ । स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रथम चरण की लॉटरी के उपरांत शेष सीटों पर प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। रिक्त सीट की जानकारी तथा आवेदन संबंधित विद्यालयों में 29 जून 2021 तक जमा किये जा सकते हैं। प्राप्त आवेदनों पर प्रवेश 30 जून के पश्चात किया जायेगा।

जिले में 149 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़ । चालू वर्षा मौसम में रायगढ़ जिले में 18 जून तक 149.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 18.3 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 134.6 मिली मीटर, पुनौर में 284.5, खरसिया में 155.4, सारंगढ़ में 200.3, बरमकेला में 114.6, घरघोड़ा में 155.9, तमनार में 135.9, लौलगा में 55.4 तथा धरमजयगढ़ तहसील में 107.5 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला/ बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता महिला हेतु परीक्षा 27 जून को

रायगढ़ । प्रशिक्षित मितानिनों के लिये आरक्षित रिक्त पदों पर ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक (महिला)/बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता महिला तृतीय श्रेणी के पदों हेतु 27 जून 2021 रविवार पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक नगर पालिका निगम ऑडिटोरियम, कलेक्टर कार्यालय के पास पंजीयन प्लॉट रायगढ़ में आयोजित की जायेगी। उक्त परीक्षा के लिये सूचना पत्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सूचना पटल एवं जिले के वेबसाइट www.raigarh.nic.in में अपलोड किया गया है। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिये जिले के वेबसाइट में अवलोकन कर सकते हैं।

घर से बिना बताये कहीं चली गई नाबालिग बालिका, खोजबिन में जुटी पुलिस टीम

रायगढ़। दिनांक 18/06/2021 को पुलिस चौकी जुटमिल, थाना खरसिया एवं सिटी कोतवाली में नाबालिग बालिकाओं के घर से बिना बताये कहीं चले जाने की रिपोर्ट परिनज दर्ज कराये हैं, गुम नाबालिग के रिपोर्ट पर धारा 363 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस टीम जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार दिनांक 17.06.2021 के सुबह करीबन 08:00 बजे जुटमिल क्षेत्र में रहने वाली बालिका (उम्र करीब 16 वर्ष) घर में किसी को बिना बताये कहीं चले जाना परिनज बताये हैं। थाना खरसिया क्षेत्र में रहने वाली बालिका दिनांक 11.06.2021 के दोपहर से घर से निकली है जो वापस नहीं आयी, उसका मोबाइल भी बंद है, बालिका के परिवारजन रिस्तेदार, जान पहचान में बालिका की खोजबिन किये पता नहीं चला है, आज थाना खरसिया में परिनज रिपोर्ट दर्ज कराये हैं। थाना सिटी कोतवाली में नाबालिग बालिका को दिनांक 17.06.2021 के सुबह स्कूल जाने के लिये निकलना और वापस घर नहीं आना परिनज बताये हैं। बालिका की खोजबिन में कोतवाली पुलिस लग गई है, उसके सहैलियों, दोस्तों से पूछताछ कर जानकारी जुटाया जा रहा है।

एक्सिस बैंक ने दिया पीपीई किट व माँस्क



रायगढ़ । कोविड से निपटने के लिये जिला प्रशासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों में सहयोग हेतु एक्सिस बैंक ने मेडिकल उपकरण व अन्य सामग्री प्रदान की है। आज कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर भीम सिंह को एक्सिस बैंक की ओर से क्लस्टर हेड प्रतीक ढोडी ने एक ऑक्सीजन कन्सन्ट्रैटर, 100 पीपीई किट, 100 एन 95 माँस्क प्रदान किये। इस दौरान एक्सिस बैंक की ओर से ज्ञान प्रकाश, देवाशीष दत्ता तथा मनोज पटेल उपस्थित रहे।

गांव बनी एक टीम मिशन टीकाकरण किया पूरा और दुर्गापुर जिले का पहला पूर्ण कोविड टीकाकृत गांव बना

» 18 साल से अधिक उम्र के सभी निवासियों को लगा टीका

» कलेक्टर भीम सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

रायगढ़ । रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विकासखण्ड का दुर्गापुर जिले का पहला पूर्ण कोविड टीकाकृत गांव बन गया है। यहां 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को कोविड का टीका लगाया जा चुका है। कलेक्टर भीम सिंह ने दुर्गापुर गांव की सरपंच श्रीमती आनंद कुंवर राठिया, सचिव कुमारी सोनमति एवका, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कुसुम मंडल, मितानिन श्रीमती सुषमा मंडल तथा ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक यशवंत पटेल को उनकी इस उपलब्धि के लिये प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जिले के दूरस्थ अंचल



में स्थित यह गांव पूरे रायगढ़ जिले के लिये एक मिसाल के रूप में सामने आया है। जहां के निवासियों ने जागरूकता दिखाते हुये कोरोना महामारी से बचाव के प्रयासों में अपना सहयोग दिया और 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों ने टीका लगवा लिया है। उन्होंने जिला पंचायत सीईओ डॉ. रवि मित्तल को दुर्गापुर गांव की इस

उपलब्धि पर 10 लाख रुपये के कार्य स्वीकृत करने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि विकासखंड धरमजयगढ़ के मुख्यालय से 4 किलोमीटर की दूरी पर बसे गांव दुर्गापुर ने कलेक्टर भीम सिंह के मार्गदर्शन में जिले में चलाये जा रहे कोविड टीकाकरण अभियान को पूरी गंभीरता से लिया और बढ़-चढ़कर इसमें अपनी

सहभागिता निभायी। गांव में सरपंच के द्वारा वैक्सिनेशन के पूर्व सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सचिव एवं अन्य लोगों का बैठक आयोजित कर सभी पंचों को भी वार्ड के हिसाब से वैक्सिनेशन कराने के लिए जवाबदारी सौंपी गई थी। सभी ने खूब मेहनत की एवं गांव में घर-घर जाकर लोगों को टीकाकरण के संबंध में जागरूक किया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांव में 5 टीकाकरण सेशन लगाये गये। पोर्टल में ऑनलाईन एन्ट्री के लिये आनस्पार्ट रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध करवायी गई। सभी लोगों के टीमवर्क का परिणाम यह निकल कर आया कि गांव के 18 वर्ष से अधिक उम्र के लक्ष्य के विरुद्ध सभी 880 लोगों का टीकाकरण किया जा सका और गांव पूर्ण रूप से टीकाकृत बना।

विश्व सिकलसेल दिवस का आज होगा आयोजन

रायगढ़ । कलेक्टर भीम सिंह के दिशा-निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केसरी के मार्गदर्शन 19 जून 2021 को विश्व सिकलसेल दिवस का आयोजन किया जायेगा। सिकल सेल, लाल रक्तकणों के भीतर हिमोग्लोबिन को प्रभावित करने वाली बीमारी है इन बीमारियों वाले रोगियों में लाल रक्त कोशिकाएं गोल होने के बजाय हंसिये के आकार धारण कर लेती है जिसके नाम से इस बीमारी का नाम सिकलसेल पड़ा है। सिकल ग्रस्त लाल रक्त कोशियों रक्त नलिकाओं में कई बार अवरोध पैदा कर देते हैं। जिससे रक्तको में रक्त के नलियों से होने वाले ऑक्सीजन की आपूर्ति बंद हो जाती है इससे वहां दर्द उत्पन्न हो जाता है तथा ऊतक नष्ट हो जाते हैं सिकलसेल मरीज दो प्रकार के होते हैं सिकलसेल वाहक एवं सिकलसेल रोगी।

सिकलसेल वाहक में सामान्यतः रोग के लक्षण प्रकट नहीं होते, सिकलसेल

आनुवांशिक बीमारी है अर्थात् पीढ़ी दर पीढ़ी चलती है छत्तीसगढ़ के 12 प्रतिशत जनसंख्या सिकलसेल से पीड़ित है। सिकलसेल बीमारी जीवन पर्यन्त तक रहती है इसको समाप्त नहीं किया जा सकता है पर इसके दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है। इस बीमारी से कई शारीरिक विकार पैदा होते हैं यथा, रक्तअल्पता, संक्रमण, सूजन, असहनीय दर्द, अंगों की क्षति आदि। सिकलसेल रोग की जांच जीवन साथी के चयन के समय, बच्चे पैदा करने की योजना बनाने वाले दम्पति, मंद शारीरिक विकास के लक्षण, कोई भी व्यक्ति जिसमें रक्तअल्पता, कमजोरी, गर्भवती माता, सभी नवजात, अगर बच्चे में विकार है तो माता पिता एवं विपरीत कराना चाहिये।

सिकलसेलवाहक या सिकल रोगी के परिवार व संबंधी इसकी जांच मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में निःशुल्क किया जाता है।

विशेष अभियान के तहत दो दिन में 49 स्थायी वारंटी पकड़ाए

» थाना प्रभारियों द्वारा आदतन बदमाशों को अपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की दी जा रही हिदायत

रायगढ़। पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के दिशा निर्देशन पर दिनांक 16/06/2021 से लंबित अपराधों में फरार आरोपियों तथा वारंटियों के धरपकड़ के लिये सभी थानाक्षेत्र अन्तर्गत चलाये जा रहे विशेष अभियान के दो दिनों में 49 स्थायी वारंटियों को पकड़ा गया है, जो काफी समय से फरार चल रहे थे। पकड़े गए वारंटियों में कई संगीन मामलों के आरोपी हैं। कई वारंटी सीमावर्ती जिलों में पहचान छिपा कर लुकछिप कर रह रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में न्यायालय



पेशी में उपस्थित नहीं होने वाले आरोपी तथा साक्षियों को जारी गिरफ्तारी वारंट, जमानती वारंट की भी तामिली की गई है। जिले में अपराधिक घटनाओं

दूर रहने की हिदायत दिये जाने हो कहा गया था, जिसका पालन भी प्रभारियों द्वारा किया जा रहा है। थाना प्रभारी व स्टाफ निगरानी गुंडा बदमाशों को उनके सकुनत जाकर चेक किया जा रहा है, कई थानों में बदमाशों को हाजिर कर उन्हें अपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी जा रही है। लंबित अपराधों के फरार आरोपियों एवं वारंटियों की पतासाजी में कई थानों की पुलिस टीम रवाना हुई, सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान में और भी वारंटियों और फरार आरोपियों के पकड़े जाने की सम्भावना है।

देश की सबसे महंगी अनोखी सब्जियों में शुमार है बस्तर का बोड़ा

» बस्तर के ग्रामीणों के लिए तैदूपत्ता और महुआ के बाद आमदनी का है मुख्य स्रोत

» मशरूम की 12 प्रजातियों में से एक मात्र बोड़ा जमीन के भीतर होता है तैयार



साल वृक्षों के नीचे उगने वाली अनोखी सब्जी साल के जंगल से ही निकलती है। जून और जुलाई के महीने में बोड़ा की सबसे ज्यादा उपलब्धता होती है। बस्तर के ग्रामीणों के लिए यह तैदूपत्ता और महुआ के बाद आमदनी का मुख्य स्रोत है। बारिश के मौसम की शुरुआत के साथ बोड़ा के बाजार में आने का सिलसिला शुरू हो गया है। प्राकृतिक रूप से एक निश्चित अवधि के बोड़ा के उगने के लिए अनुकूल होता है।

ग्राम समलाई में हाथियों ने मचाया उत्पात, तोड़े ग्रामीणों के पांच मकान

कोरबा (आरएनएस)। जिले के वनमंडल कटघोरा के पसान रेंज में तीन हाथियों का दल लगातार विचरण कर रहा है। हाथियों के इस दल ने बीती रात ग्राम पंचायत पिपरिया के आश्रित ग्राम समलाई में पहुंचकर भारी उत्पात मचाया।

इस दौरान हाथियों ने शिवराम अग्रियरा, हीरा सिंह मराठी, शिवरतन, तुलसी नेटी, प्रेमसिंह नेटी के मकान को तोड़ दिया। इतना ही नहीं हाथियों ने यहां रखे घरेलू सामानों को नुकसान पहुंचाने के साथ ही चावल एवं धान को भी चट कर दिया। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर आज वन विभाग का अमला मौकै पर पहुंचा और रात में हाथियों को हटाया किये गए नुकसान का सर्वे किया। प्रारंभिक तौर पर हाथियों के



उत्पात से हजारों रुपए के नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। हाथियों का उत्पात पूरे रात भर चला। इस दौरान ग्रामीण हाथियों के डर से रतजना करते रहे। जिस समय हाथियों ने ग्रामीणों के मकान को निशाना बनाया, उस समय वहां कोई मौजूद नहीं थे। हाथियों के आने की सूचना मिलते ही सुरक्षित स्थानों पर चल गए थे।

स्वादिष्टता ने इसे विशेष बना दिया है। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के साथ-साथ अन्य जिलों के रहवासी और पड़ोसी राज्य ओडिशा, तेलंगाना से भी बड़ी संख्या में लोग इसे खरीदने के लिए यहां पहुंचते हैं। इस वर्ष बोड़ा की अच्छी आवक है, शहर के मुख्य बाजार के साथ-साथ हर छोटे बड़े

बाजार में बोड़ा बड़ी मात्रा में मिल रही है। प्रात जानकारी के अनुसार मशरूम की 12 प्रजातियों में से एक, बोड़ा की सबसे अनोखी विशेषता यह है कि यह अन्य मशरूम की भांति जमीन के बाहर नहीं, भीतर तैयार होता है। साल बोड़ा में फाइबर, सेलेनियम, प्रोटीन, पोटेशियम, विटामिन डी और एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज के होने की जानकारी मिली है। इनकी मौजूदगी की वजह से इसे शुगर,

हार्ड बीपी, बैक्टीरियल इनफेक्शन, कुपोषण और पेट रोग दूर करने में सक्षम पाया गया है। ताजा परिस्थितियों में, इसमें इन्सुलिन डी बूस्ट करने के तत्वों की वजह से इसे बेहद अहम माना जा रहा है।

पांच राज्यों में मिलने वाले इस मशरूम का वैज्ञानिक नाम लाइफन पडन है। उत्तराखंड, झारखंड और उड़ीसा में इसे रुगड़ा के नाम से जाना जाता है, तो छत्तीसगढ़ में साल पुट्ट के नाम से पहचान मिली हुई है। बस्तर अंचल में बोड़ा के रूप में जाना जाता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद प्रारंभिक अनुसंधान के बाद इसकी व्यावसायिक खेती की तकनीक विकसित कर रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र को औद्योगिक नया साधन मिल सके। वैज्ञानिकों को मिल रही सफलता से भविष्य में इसकी खेती की जा सकेगी साथ ही चार माह तक इसका भंडारण भी किया जा सकेगा।

निमोनिया से बचाने बच्चों को लगवाये टीका

» हर मंगलवार और शुक्रवार को शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में लगाया जाता है टीका

रायगढ़ । नियमित टीकाकरण कार्यक्रम अंतर्गत न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सिन (पीसीभी) की शुरुआत राज्य में 14 जून 2021 से प्रारंभ किया जा चुका है। जिले में भी प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्रामीण स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (भीएचएनडी)के समस्त नियमित टीकाकरण सत्र, समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों में यह वैक्सिन लगाया जाना है, साथ ही जिला अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भी यह वैक्सिन अवकाश दिवस को छोड़कर प्रतिदिन लगाया जायेगा। राज्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार (पीसीभी) वैक्सिन की प्रथम खुराक को पेंटावैलेंट वैक्सिन के प्रथम खुराक के साथ में ही लगाया जाना है। न्यूमोकोकल बीमारी जिसे न्यूमोकोकस भी कहा जाता है, उसका संक्रमण भी नवजात बच्चों में सांस के रास्ते ही फैलता है। इसका प्रथम डोज करीब 4 हज़ार रुपये का होता है। पहली बार सरकार इसे नवजात बच्चों को निःशुल्क लगाने जा रही है। दरअसल, इस वैक्सिन का पहला डोज डेढ़ माह यानी 06 सप्ताह के नवजात शिशुओं को लगाया जाता है। इसके 14 सप्ताह बाद दूसरा डोज एवं 09 महीने के बाद तीसरा डोज लगाया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केसरी ने सभी अभिभावकों से टीकाकरण सत्रों या स्वास्थ्य केन्द्रों में जाकर अपने बच्चों को (पीसीभी) वैक्सिन लगवाने हेतु आव्हान किया है।

शासकीय नजूल रिक्त भूमि की नीलामी 30 जून को

रायगढ़ । रायगढ़ में स्थित शासकीय/नजूल रिक्त भूमि की खुली नीलामी 30 जून 2021 को दोपहर 12 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में की जायेगी। नीलामी में भाग लेने हेतु आवेदन नजूल अधिकारी, जिला कार्यालय रायगढ़ के कक्ष में निर्धारित राशि की डिमांड ड्राफ्ट सहित अंतिम तिथि 30 जून 2021 को पूर्वाह्न 11 बजे तक जमा की जाएगी।

रायगढ़ के ईडन गार्डन के सामने, मोदी नगर से लगकर के विनोबा नगर, प्लॉट नंबर 312/1, 313/1 से रकबा 11194 वर्गफुट भूमि के लिये 70,61,600 रुपये, जेलपारा नजूल भूमि 59, प्लॉट नंबर 29/1 से रकबा 1224 वर्गफुट भूमि के लिये 4,93,675

रुपये, मधुवनपारा-नजूल भूमि 55, प्लॉट नंबर 11 से रकबा 3000 वर्गफुट भूमि के लिये 13,07,619 रुपये, मधुवनपारा-नजूल भूमि 55, प्लॉट नंबर 11 से रकबा 1700 वर्गफुट भूमि के लिये 7,40,913 रुपये, मिट्टुमुड़ा-प्लॉट नंबर 30 से रकबा 4360 वर्गफुट भूमि के लिये 18,15,316 रुपये, दीनदयाल अपार्टमेंट के पीछे स्थित है-नजूल ग्राम-बड़े रामपुर प्लॉट नंबर 3/1 से रकबा 15,500 वर्गफुट भूमि (आवासीय प्रयोजनार्थ) के लिये 52,43,493 रुपये, दीनदयाल अपार्टमेंट के पीछे दक्षिण-पश्चिम दिशा में स्थित है-नजूल ग्राम-बड़े रामपुर प्लॉट नंबर 3/1 से रकबा 10500 वर्गफुट भूमि (आवासीय

प्रयोजनार्थ) के लिये 35,52,058 रुपये, दीनदयाल अपार्टमेंट के पीछे खेत से लगकर दक्षिण-पूर्वी कोना पर है-नजूल ग्राम-बड़े रामपुर प्लॉट नंबर 3/1 से रकबा 4500 वर्गफुट भूमि (आवासीय प्रयोजनार्थ)के लिये 15,22,321 रुपये तथा दीनदयाल अपार्टमेंट के पीछे (दक्षिण दिशा में)लगकर स्थित है-नजूल ग्राम-बड़े रामपुर प्लॉट नंबर 3/1 से रकबा 2442 वर्गफुट भूमि (आवासीय प्रयोजनार्थ) के लिये 8,26,098 रुपये है। भूमि का नक्शा और फार्म और परिशिष्ट-2 जिसमें शासकीय भूखंड का भूमि स्वामी हक में व्यवस्थापन/बंटन दिया जायेगा। इच्छुक खरीदारों द्वारा नजूल शाखा कार्यालय कलेक्टर रायगढ़,

आयुक्त नगर पालिक निगम रायगढ़ तथा कार्यालय तहसीलदार रायगढ़ के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में नीलामी के स्थान और समय पर भी देखा जा सकेगा। आबंटन हेतु अमानत राशि जमा करने वाले आवेदकगण को ही नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने की पात्रता होगी। प्रत्येक पक्षकार की ओर से आवेदक तथा उनका अधिकर्ता सहित दो व्यक्ति नीलामी में उपस्थित हो सकेंगे। नीलामी का अनुमोदन समिति के माध्यम से कलेक्टर द्वारा किया जायेगा। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालय कलेक्टर नजूल शाखा रायगढ़ में संपर्क कर सकते हैं।